प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. :

INTERMEDIATE EXAMINATION – 2026
इन्टरमीडिएट परीक्षा – 2026

(ANNUAL / वार्षिक)

प्रश्न पुस्तिका सेट कोड Question Booklet Set Code

विषय कोड / Subject Code: **112/212/312/508**

MODEL QUESTION PAPER

BHOJPURI (Compulsory)

भोजपुरी (अनिवार्य)

I.Sc., I.Com., I.A. & Voc.

कुल प्रश्न :100 + 7 = 107

Total Questions: 100 + 7 = 120

कुल मुद्रित पृष्ठ : 22

Total Printed Pages : 22

(समय : 3 घंटे 15 मिनट)

[Time : 3 Hours 15 Minutes]

(पूर्णांक : 100)

[Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1- परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न–पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।

2- परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।

3. दाहिनी ओर हाशिये में दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।

4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

5. यह प्रश्न–पुस्तिका दो खण्डों में है – खण्ड 'अ' एवं खण्ड 'ब'।

6. खण्ड 'अ' में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं जिनमें से किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है। 50 प्रश्नों से अधिक का उत्तर देने पर प्रथम 50 का ही मूल्यांकन होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 अंक निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये OMR उत्तर–पत्रक में दिये गये सही विकल्प को काले/नीले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ/ ब्लेड/नाखून आदि का OMR उत्तर–पत्रक में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।

7. खण्ड 'ब' में कुल 7 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के समक्ष अंक निर्धारित है।

8. किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।

खण्ड – अ

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के अपने द्वारा चुने गये सही विकल्प को OMR उत्तर–पत्रक पर चिह्नित करें – $50 \times 1 = 50$

नीचे दिहल वस्तुनिष्ठ प्रश्नन में से सही उत्तर चुनीं –

1- व्यंजन वर्ण के कए गो भेद कइल गइल बा ?

(A) तीन गो
(B) दू गो
(C) चार गो
(D) पाँच गो

2- वर्ण के निरमान कइसे होखेला ?

(A) ध्वनि के मेल से
(B) शब्द के मेल से
(C) वाक्य के मेल से
(D) कवनो ना

3- वर्ण के कतना भेद होखेला ?

(A) पाँच
(B) चार
(C) तीन
(D) दू गो

4- वर्ण–भेद के नाँव ह –

(A) स्वर
(B) व्यंजन
(C) (A) आ (B)
(D) कवनो ना

5- 'अ + इ' के मेल से कवन वर्ण बनेला ?

(A) औ (B) ओ

(C) ए (D) ऐ

6- एह में से अन्तःस्थ वर्ण चुनीं –

(A) घ (B) ड़

(C) ट (D) ल

7- वर्ण के मेल से बनेला –

(A) ध्वनि (B) शब्द

(C) वाक्य (D) तीनू

8- ध्वनियन के मेल से बनल अर्थबोधक ध्वनि के का कहल जाला ?

(A) वर्ण (B) ध्वनि

(C) वाक्य (D) शब्द

9- एह में कवन विजातीय स्वर वर्ण ह ?

(A) अ (B) ओ

(C) ई (D) उ

10-समास में कवनो शब्द के का होला ?

(A) आपस में जुटेला (B) आपस में टुटेला

(C) सब कुछ छूटेला (D) कवनो ना

11-स्वर के उच्चारण होला –

(A) बिना केकरो मदद के

(B) केकरो मदद से

(C) व्यंजन के मदद से

(D) कवनो ना

12-व्यंजन के उच्चारण होला –

(A) स्वर के मदद से

(B) बिना स्वर के मदद से

(C) दूनो

(D) कवनो ना

13-तत्सम शब्द हिन्दी में कहवाँ से आइल ह ?

(A) पालि

(B) प्राकृत

(C) संस्कृत

(D) अपभ्रंश

14-'पुष्प' शब्द ह –

(A) तत्सम

(B) तद्भव

(C) देशज

(D) विदेशज

15- 'काठ' शब्द ह –

(A) तत्सम

(B) देशज

(B) तद्भव

(D) विदेशज

16-'लोहराइन' शब्द ह –

(A) विदेशज

(B) देशज

(C) तत्सम

(D) तद्भव

17-'डेली' शब्द ह –

(A) तत्सम

(B) देशज

(B) तद्भव

(D) विदेशज

18-'मौसा–मौसी' कवन समास ह ?

(A) बहुब्रीहि

(B) तत्पुरूष

(C) द्वन्द्व

(D) द्विगु

19-'पचफोरना' में समास ह –

(A) तत्पुरूष

(B) नञ्

(C) द्वन्द्व

(D) द्विगु

20-'चतुरानन' में समास ह –

(A) बहुब्रीहि

(B) नञ्

(C) द्वन्द्व

(D) अव्ययीभाव

21-'अन्जान' में समास ह –

(A) तत्पुरुष

(B) नञ्

(C) द्वन्द्व

(D) द्विगु

22-सन्धि के केतना भेद होखेला ?

(A) पाँच

(B) चार

(C) तीन

(D) दू

23-'जगदीश' में कवन संधि ह ?

(A) गुण स्वर संधि

(B) व्यंजन संधि

(C) विसर्ग संधि

(D) यण् स्वर संधि

24-'उपहार' में कवन उपसर्ग ह ?

(A) आ

(B) अप

(C) उप

(D) अधि

25-एह में कवन अल्पप्राण व्यंजन ह ?

(A) थ्

(B) छ्

(C) भ्

(D) ग्

26-'धूमल' शब्द में उपसर्ग ह –

(A) धू

(B) मल

(C) ल

(D) अ

27-'चलाइले' शब्द में प्रत्यय ह –

(A) चल

(B) आइले

(C) इले

(D) ले

28-'इंजोरिया' के विलोम शब्द होला –

(A) दूधिया

(B) चाननी

(C) अन्हरिया

(D) रोसनी

29-जेकर भाग्य नीक ना होखे, कहाला –

(A) अनाथ

(B) अपरिचित

(C) भाग्यशाली

(D) अभागा

30-जवन कम खाला, कहाला –

(A) दलिद्दर

(B) पेटू

(C) अल्पाहारी

(D) मितभाषी

31-'कामधेनु' कवन संज्ञा ह ?

(A) जातिवाचक

(B) व्यक्तिवाचक

(C) भाववाचक

(D) द्रव्यवाचक

32-'बकरी' संज्ञा ह –

(A) जातिवाचक

(B) भाववाचक

(C) व्यक्तिवाचक

(D) समूहवाचक

33-'गुच्छा' संज्ञा ह –

(A) जातिवाचक

(B) भाववाचक

(C) समूहवाचक

(D) द्रव्यवाचक

34-'पनसोसुर' संज्ञा ह –

(A) जातिवाचक

(B) भाववाचक

(C) समूहवाचक

(D) व्यक्तिवाचक

35-'तेल' संज्ञा ह –

(A) जातिवाचक

(B) द्रव्यवाचक

(C) भाववाचक

(D) समूहवाचक

36-लिंग के भेद होला –

(A) पाँच

(B) चार

(C) तीन

(D) दूगो

37-लिंग के भेदन के नाँव ह –

(A) पुल्लिंग

(B) स्त्रीलिंग

(C) (A) आ (B)

(D) नपुंसक लिंग

38-'जेल' कवन लिंग ह ?

(A) पुल्लिंग

(B) स्त्रीलिंग

(C) नपुंसक लिंग

(D) उभयलिंग

39-'खेल' कवन लिंग ह ?

(A) पुल्लिंग

(B) स्त्रीलिंग

(C) दूनो

(D) कवनो ना

40-वचन के भेद होला –

(A) पाँच

(B) चार

(C) तीन

(D) दूगो

41-वचन के भेदन का नाँव ह –

(A) एकवचन
(B) बहुवचन
(C) (A) आ (B)
(D) द्विवचन

42-'फौजन' कवन वचन ह ?

(A) एकवचन
(B) बहुवचन
(C) द्विवचन
(D) कवनो ना

43- 'बबुआ' कवन वचन ह ?

(A) एकवचन
(B) बहुवचन
(C) द्विवचन
(D) कवनो ना

44-'विश्व' संज्ञा के विशेषण होखी –

(A) देशिक
(B) परदेशी
(C) वैश्विक
(D) दैनिक

45-'दिवेश जा रहल ह' कइसन वाक्य ह ?

(A) सरल
(B) मिश्र
(C) संयुक्त
(D) निषेधवाचक

46-संधि के भेद होला –

(A) दूगो
(B) तीन
(C) चार
(D) पाँच

47-संधि के भेदन के नाँव ह –

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) विसर्ग (D) तीनू

48-'गणेश' में कवन संधि ह ?

(A) स्वर (B) व्यंजन

(C) विसर्ग (D) कवनो ना

49-'नीलांबर' के संधि–विच्छेद होखी –

(A) नी + लांबर (B) नीलां + बर

(C) नील + अंबर (D) नीलांब + र

50-'राम खात बा' मे काल ह –

(A) वर्तमान (B) भूत

(C) भविष्यत् (D) कवनो ना

51-'अमित घोड़ा पर सवार बा' – यह में कवन कारक ह ?

(A) करण (B) सम्बन्ध

(C) सम्प्रदान (D) अधिकरण

52-अलंकार के कए गो भेद होला ?

(A) दूगो (B) तीन गो

(C) चार गो (D) पाँच गो

53-'मछरी' के विधा ह –

(A) कविता
(B) कहानी
(C) नाटक
(D) उपन्यास

54-'मछरी' के रचनाकार बानीं –

(A) राहुल सांकृत्यायन
(B) डॉ०सत्येन्द्र सुमन
(C) रामेश्वर सिंह 'काश्यप'
(D) डॉ० प्रभुनाथ सिंह

55-'मछरी' के वर्ण्य–विषय ह –

(A) नारी–व्यथा
(B) राष्ट्रप्रेम
(C) भगति
(D) व्यंग्य

56-'मछरी' के नायिका ह –

(A) देमंती
(B) सकुंती
(C) सुमंती
(D) कुंती

57-रामेश्वर सिंह 'काश्यप' रहनिहार रहीं –

(A) पटना
(B) आरा
(C) रोहतास
(D) बलिया

58-'जोंक' के विधा ह –

(A) शब्द चित्र
(B) संस्मरण
(C) एकांकी
(D) रेखाचित्र

59- -'जोंक' के रचनाकार बानीं –

(A) राहुल सांकृत्यायन

(B) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद सिंह

(C) महेन्द्र शास्त्री

(D) रामनाथ पाठक

60-'काकी के गहना' के विधा ह –

(A) कविता

(B) कहानी

(C) समीक्षा

(D) आत्मकथा

61-पांडेय कपिल के कविता ह –

(A) उत्थान

(B) नवगीत

(C) भोर हो गइल

(D) प्रेम के कलश

62-मेहरारू खातिर जान से बड़हन होला –

(A) कहना

(B) गहना

(C) सहना

(D) लहना

63-'मानिक मोर हेरइले' के विधा ह –

(A) रिपोर्त्ताज

(B) जीवनी

(C) ललित निबंध

(D) डायरी

64-'मानिक मोर हेरइले' के रचनाकार बानीं –

(A) डॉ० सत्येन्द्र सुमन

(B) डॉ० विद्या निवास मिश्र

(C) डॉ० रामनाथ पाठक

(D) डॉ० उषा वर्मा

65-कबीरदास के भगति रहे –

(A) सगुन
(B) सूफी
(C) निरगुन
(D) कवनो ना

66-'धरनीदास' के भगति रहे –

(A) निरगुन
(B) सगुण
(C) सूफी
(D) कवनो ना

67-'भिनिक राम' के भगति रहे –

(A) निरगुन
(B) सगुण
(C) शैव
(D) सूफी

68-'अँचरा के छाँह' शीर्षक पाठ के नायिका के ह ?

(A) भगवतिया
(B) किरितिया
(C) सुमतिया
(D) पिरितिया

69-धरनीदास के ईश्वर बानीं –

(A) साकार
(B) निराकर
(C) दूनो
(D) कवनो ना

70-'आज हमनी के मनवाँ महान भइल रे' – प्रस्तुत पंक्ति कवन कविता के ह ?

(A) रूप के हिरन
(B) भोर हो गइल
(C) उत्थान
(D) प्रेम के कलश

71-एह में कवन कवि के गीत आजादी के लड़ाई में हथियार अइसन इस्तेमान भइल ?

(A) डॉ० उषा वर्मा
(B) डॉ० गंगा प्रसाद अरूण
(C) हरिशंकर वर्मा
(D) मनोरंजन प्रसाद सिन्हा

72-भिनिक राम संस्थापक रहीं –

(A) सरभंग–संप्रदाय
(B) सखी–संप्रदाय
(C) उदासीन–संप्रदाय
(D) हरिदासी–संप्रदाय

73-डॉ० प्रभुनाथ सिंह के कइल अनुवाद ह –

(A) साल में एक बेर
(B) पुनि रे तिरिथिया में जागु चितु धीरे
(C) काकी के गहना
(D) मानिक मोर हेरइले

74-राम बिहारी ओझा के कइल अनुवाद ह –

(A) साल में एक बेर
(B) जोंक
(C) पुनि रे तिरिथिया में जागु चित धीरे
(D) मछरी

75-'साल में एक बेर' के मूल लेखक बानीं –

(A) रवीन्द्र नाथ ठाकुर
(B) अंतोन चेखव
(C) डॉ० शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव
(D) डॉ० ग्रियर्सन

76-' पुनि रे तिरिथिया में जागु चितु मेरे' के मूल लेखक बानीं –

(A) रवीन्द्र नाथ ठाकुर
(B) चेखव
(C) हरिशंकर वर्मा
(D) डॉ० ग्रियर्सन

77-अंतोन चेखव कवना भासा के लेखक बानीं ?

(A) अंग्रेजी (B) बंगला

(C) रूसी (D) हिन्दी

78- डॉ० ग्रियर्सन कवना भासा के लेखक बानीं ?

(A) अंग्रेजी (B) बंगला

(C) रूसी (D) हिन्दी

79-रवीन्द्रनाथ ठाकुर कवना भासा के लेखक बानीं ?

(A) अंग्रेजी (B) बंगला

(C) रूसी (D) हिन्दी

80-चेखव के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) ज्ञानपीठ (B) पुश्किन

(C) नोबेल (D) पद्मश्री

81-रवीन्द्रनाथ ठाकुर के कवना पुरस्कार मिलल रहे ?

(A) ज्ञानपीठ (B) पुश्किन

(C) नोबेल (D) पद्मश्री

82-डॉ० शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव के पुरस्कार भेंटल रहे –

(A) भारत रत्न (B) पद्मश्री

(C) पद्म विभूषण (D) तीनू

83-'प्रेम के कलश' के विधा ह –

(A) कहानी

(B) कविता

(C) संस्मरण

(D) शिकार कथा

84-'नवगीत' के विधा ह –

(A) कहानी

(B) कविता

(C) नाटक

(D) उपन्यास

85--'रूप के हिरन' के विधा ह –

(A) शब्द चित्र

(B) जीवनी

(C) कविता

(D) लघुकथा

86-'छठी' कब मनाबल जाला ?

(A) मूअला प

(B) जनम लिहला प

(C) बिआह भइला प

(D) विदाई भइला प

87-'छठ' कब मनाबल जाला ?

(A) कार्त्तिक महीना में

(B) चैत महीना में

(C) (A) आ (B)

(D) फागुन में

88-महेन्द्र मिसिर लोकप्रिय भइल रहीं –

(A) होली गइला से

(B) कजरी गइला से

(C) पूरबी लोकगीत से

(D) बिरहा से

89-'भोर हो गइल' कविता में प्रधानता बा –

(A) सिंगार
(B) प्रकृति
(C) वीरता
(D) हास्य

90-'भोर हो गइल' में कवना समय के वर्णन बा ?

(A) दिन
(B) रात
(C) दूपहर
(D) भिनसहार

91-पांडेय कपिल काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से का कइले रहीं ?

(A) स्नातक, विज्ञान
(B) स्नातकोत्तर, हिन्दी
(C) पी–एच०डी०, अंग्रेजी
(D) स्नातकोत्तर, अंग्रेजी

92-'केकरा खतिर छठ' के पात्र हवे –

(A) रवि प्रकाश
(B) चन्द्र प्रकाश
(C) तेज प्रकाश
(D) भानु प्रकाश

93-'रूप के हिरन' में केकर किलकारी सुनाई पड़ता ?

(A) रूप के
(B) हिरन के
(C) नदियन के
(D) पहाड़न के

94-'उत्थान' कविता के कवि बानीं –

(A) महेन्द्र मिसिर
(B) मनोरंजन प्रसाद सिन्हा
(C) महेन्द्र शास्त्री
(D) परमेश्वर दूबे

95-सुनीति कुमार चटर्जी रहीं –

(A) चिकित्सक

(B) भाषा–वैज्ञानिक

(C) प्रोफेसर

(D) वैज्ञानिक

96-उदय नारायण तिवारी रहीं –

(A) चिकित्सक

(B) भाषा–वैज्ञानिक

(C) रसायन–विज्ञानी

(D) जंतु विज्ञानी

97-'शरद के लहंगा' के विधा ह –

(A) एकांकी

(B) रिपोर्ताज

(C) कविता

(D) वार्त्ता

98-'जमवट' कवना लकड़ी से बनेला –

(A) आम

(B) जामुन

(C) नीम

(D) कटहर

99-भोजपुर में काली स्थान केने होला ?

(A) पूरब

(B) पश्चिम

(C) उत्तर

(D) दक्खिन

100-भोजपुर में दूल्हा के कवन पीढ़ा दिहल जाला ?

(A) जामुन के

(B) आम के

(C) गम्हार के

(D) नीम के

खण्ड – ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. एगो पर निबंध लिखीं – $1 \times 8 = 8$

दशहरा

भारतीय किसान

देश भगति

बरखा ऋतु

2. एगो गद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – $1 \times 4 = 4$

(i) "हमनी के देहि में जमा–पूँजी नवे सेर खून बतावल जाला।"

(ii) "झींगुर के अजब मनहूस झनकार हवा में भर गइल रहे। नीम के फूल के गंध से मातल बेआर दिमिलाइल फिरत रहे। दिन भर के तवँक से अउसाइल कुंती के मन में भइल कि गते से पानी में उतर जाय आ अपना देह के पानी में बोर दे।"

3. एगो पद्य के सप्रसंग व्याख्या करीं – $1 \times 4 = 4$

(i) "जाइ उतरले ओहि देसवा हो, जाहाँ केहु न हमार।

ऊँचकी महलिया साहब कइ हो, लागे विषम बाजार ।।"

(ii) "बीत गइल बरखा के पहरा

सिहरावन लागे भिनसहरा

ताल–ताल में लाल उमिरिया

खिल खिल टइलाइल

शरद के लंहगा लहराइल।"

4. एगो के पत्र–लेखन करीं – $1 \times 5 = 5$

(i) गाँव में आइल बाढ़ के विकराल रूप के वर्णन करत आपन मामाजी के पास पत्र लिखीं।

(ii) स्कूल में वाद–विवाद प्रतियोगिता कराबे खातिर प्राचार्य लगे आवेदन–पत्र लिखीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

5. पाँच प्रश्नन के उत्तर लिखीं – $5 \times 2 = 10$

(i) सगुन आ निरगुन में अंतर बताई।

(ii) नवगीत केकरा कहल जाला ?

(iii) राणा प्रताप सिंह के कवनो दूगो विशेषता बताईं।

(iv) भारत देश के सीमा–निर्धारण करीं।

(v) फिरंगिया कवन रहन सन ?

(vi) सरभंग संप्रदाय का बारे में लिखीं।

(vii) उत्थान केकर–केकर भइल बा ?

(viii) नीम, जामुन आ आम के का महत्व बाटे ?

(ix) बाएन केकरा कहल जाला ?

(x) अछूत के शिकायत का–का बाटे ?

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

6. तीन प्रश्नन के उत्तर लिखीं – $3 \times 5 = 15$

(i) पाठ्यपुस्तक के कवनो कहानी के सारांश लिखीं।

(ii) पाठ्यपुस्तक के कवनो कविता के भाव–निरूपण करीं।

(iii) 'मेहरारू के गहना जान से बड़हन होला,' 'काकी के गहना' के आधार पर लिखीं।

(iv) 'मछरी आ लइकी के जिनगी एक नियन होली,' 'मछरी' कहानी के आधार पर सिद्ध करीं।

(v) पठित कवनो संत कवि के परिचय दीहीं।

(vi) भोजपुरी के विकास खातिर आपन विचार दीहीं।

7. एगो के संक्षेपण करीं – $1 \times 4 = 4$

(i) आज मलाह टोल में बाड़ा अनसनी फैलल बा। गाँव के छबरा के बीचो बीच एक पुरान बर के फेड़ ह जवना में डोर नियर लटकल बरोह के गाँव के लड़का पकरि–पकरि घुमरि परउआ खेलेलन स, आ ऊ फेड़ जानब जे बूढ़ दादा नियर अपन दाड़ी खींचे वाला लइकन के दुलरावेला। ए गाँव में अइसन के बा जे ए बार के नीचा छाँह में बइठल ना होखे आ छुटपन में ए बरोह में झूलल ना होखे। बाकी आज त एइजा लइकन के के कहे चिरई के पूतो नइखे देखात। छाँह में रोज जहाँ ललका कुक्कुर बइठेला, उँहे बँसखट राखल बा।

(ii) लोग चरचा करेला कि जमाना बदलि गइल। परिवार के परिभाषा आजि बदलि गइल। पहिले परिवार के मतलब रहे बाप–मतारी, भाई–भउजाई, चाचा–चाची,

भतीजा–भतीजी, सबके एक साथ मिलि के गुजर–बसर कइल, सुख–दुख बाँटल, आपस में सहयोग, मिल्लत, सद्भाव आ एकता। अब परिवार के माने हो गइल बा आपन मेहरारू आ बेटा–बेटी। आज के परिवार में बाप–मतारी से अँडस हो जात बा। अवलाद पैदा कर के भी ऊ लोग बेमउआर बा। अइसन परिवार के आधुनिक परिवार कहल जा रहल बा। शहर के संस्कार गाँव पर हावी बा। गाँव के संस्कार आ संस्कृति विकृत हो रहल बा।